



ॐ

गुणानां त्वा गुणपतिः हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आ नः शृवन्नन्तिभिस्सीदसादनम् ॥

गुरुब्रह्मा गुरुर्विष्णुर्गुरुर्देवो महेश्वरः ।
गुरुस्साक्षात् परब्रह्मा तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

अज्ञान तिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जन शलाकया ।
चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

अखण्ड मण्डलाकारं व्याप्तं येन चराचरम् ।
तत्पदं दर्शितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः ॥



सङ्गीत पुस्तकम्

गुरु : श्री श्रीधर नरसिहन्

अनुक्रमणिका

सरल वरसे	१
दीर्घ वरसे	३
दाट्ट वरसे	५
मन्दर स्थायि वरसे	७
तार स्थायि वरसे	९
झण्ट वरसे	११
स्वर राग ताल शास्त्र	१५
अलङ्काराः	१६
पिळ्ळारि गीतानि	२०
श्री गणनाथ	२०
कुन्द गौर	२१
केरेय नीरनु	२२
पदुमनाभ	२३
सञ्चारि गीतानि	२४
वरवीणा	२४
जय जय जय	२५
मन्दर धारे	२६
कमलजा दल	२७
कमल सुलोचन	२८
स्वर जतयः	२९
बिलहरि	२९
खमास्	३१
कृतयः	३२
ओङ्कार रूपिणि	३२

सरल वरसे

रागम् : मायामाळवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

२.

॥ स रि ग म । स रि । ग म ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* नि द प । स* नि । द प ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

३.

॥ स रि स रि । स रि । ग म ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* नि स* नि । स* नि । द प ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

४.

॥ स रि ग म । प म । ग रि ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

॥ * नि द प । म प । द नि ॥

॥ * नि द प । म ग । रि स ॥

५.

॥ स रि ग म । प म । द प ॥

॥ स रि ग म । प द । नि * ॥

॥ * नि द प । म प । ग म ॥

॥ * नि द प । म ग । रि स ॥

६.

॥ स रि ग स । रि ग । स रि ॥

॥ स रि ग म । प द । नि * ॥

॥ * नि द * । नि द । * नि ॥

॥ * नि द प । म ग । रि स ॥

दीर्घ वरसे

रागम् : मायामाळवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स रि ग म । प , । प , ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* नि द प । म , । म , ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

२.

॥ स रि ग म । प , । स , ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* नि द प । म , । स* , ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

३.

॥ स रि ग म । प , । स रि ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* नि द प । म , । स* नि ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

४.

॥ स रि ग म । प , । द नि ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* नि द प । म , । ग रि ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

दाट्ट वरसे

रागम् : मायामाळवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स ग रि म । ग प । म द ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* द नि प । द म । प ग ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

२.

॥ स म रि प । ग द । म नि ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* प नि म । द ग । प रि ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

३.

॥ स प रि द । ग नि । म स* ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* म नि ग । द रि । प स ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

४.

॥ स ग प नि । रि म । द स* ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* द म रि । नि प । ग स ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

मन्दर स्थायि वरसे

रागम् : मायामाळवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥
॥ स , स , । स , । स , ॥
॥ स नि* स रि । स रि । ग म ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

२.

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥
॥ स , स , । स , । स , ॥
॥ स नि* द* नि* । स रि । ग म ॥
॥ प म ग रि । स रि । स नि* ॥
॥ स नि* स रि । स रि । ग म ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

३.

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥
॥ स , स , । स , । स , ॥
॥ स नि* द* प* । द* नि* । स रि ॥
॥ ग म प म । ग रि । स नि* ॥

॥ स नि* द* नि* । स रि । ग म ॥
॥ प म ग रि । स रि । स नि* ॥
॥ स नि* स रि । स रि । ग म ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स*

तार स्थायि वरसे

रागम् : मायामाळवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* , स* , । स* , । स* , ॥
॥ द नि स* रि* । स* नि । द प ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

२.

॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* , स* , । स* , । स* , ॥
॥ द नि स* रि* । स* स* । रि* स* ॥
॥ स* रि* स* नि । द प । म प ॥
॥ द नि स* रि* । स* नि । द प ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

३.

॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* , स* , । स* , । स* , ॥
॥ द नि स* रि* । ग* रि* । स* रि* ॥
॥ स* रि* स* नि । द प । म प ॥

॥ द नि स* रि* । स* स* । रि* स* ॥
 ॥ स* रि* स* नि । द प । म प ॥
 ॥ द नि स* रि* । स* नि । द प ॥
 ॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

४.

॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
 ॥ स* , स* , । स* , । स* , ॥
 ॥ द नि स* रि* । ग* म* । ग* रि* ॥
 ॥ स* रि* स* नि । द प । म प ॥
 ॥ द नि स* रि* । ग* रि* । स* रि* ॥
 ॥ स* रि* स* नि । द प । म प ॥
 ॥ द नि स* रि* । स* स* । रि* स* ॥
 ॥ स* रि* स* नि । द प । म प ॥
 ॥ द नि स* रि* । स* नि । द प ॥
 ॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

झण्टि वरसे

रागम् : मायामाळवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥	स स	रि रि	ग ग	म म	।	प प	द द	।	नि नि	स* स*	॥
॥	स* स*	नि नि	द द	प प	।	म म	ग ग	।	रि रि	स स	॥

२.

॥	स स	रि रि	ग ग	म म	।	रि रि	ग ग	।	म म	प प	॥
॥	ग ग	म म	प प	द द	।	म म	प प	।	द द	नि नि	॥
॥	प प	द द	नि नि	स* स*	।	स* स*	नि नि	।	द द	प प	॥
॥	नि नि	द द	प प	म म	।	द द	प प	।	म म	ग ग	॥
॥	प प	म म	ग ग	रि रि	।	म म	ग ग	।	रि रि	स स	॥

३.

॥	स स	रि रि	ग ग	रि रि	।	स स	रि रि	।	ग ग	म म	॥
॥	रि रि	ग ग	म म	ग ग	।	रि रि	ग ग	।	म म	प प	॥
॥	ग ग	म म	प प	म म	।	ग ग	म म	।	प प	द द	॥
॥	म म	प प	द द	प प	।	म म	प प	।	द द	नि नि	॥
॥	प प	द द	नि नि	द द	।	प प	द द	।	नि नि	स* स*	॥
॥	स* स*	नि नि	द द	नि नि	।	स* स*	नि नि	।	द द	प प	॥
॥	नि नि	द द	प प	द द	।	नि नि	द द	।	प प	म म	॥
॥	द द	प प	म म	प प	।	द द	प प	।	म म	ग ग	॥
॥	प प	म म	ग ग	म म	।	प प	म म	।	ग ग	रि रि	॥
॥	म म	ग ग	रि रि	ग ग	।	म म	ग ग	।	रि रि	स स	॥

४.

॥	सस	मम	गग	रिरि	।	सस	रिरि	।	गग	मम	॥
॥	रिरि	पप	मम	गग	।	रिरि	गग	।	मम	पप	॥
॥	गग	दद	पप	मम	।	गग	मम	।	पप	दद	॥
॥	मम	निनि	दद	पप	।	मम	पप	।	दद	निनि	॥
॥	पप	*स*	निनि	दद	।	पप	दद	।	निनि	*स*	॥
॥	*स*	पप	दद	निनि	।	*स*	निनि	।	दद	पप	॥
॥	निनि	मम	पप	दद	।	निनि	दद	।	पप	मम	॥
॥	दद	गग	मम	पप	।	दद	पप	।	मम	गग	॥
॥	पप	रिरि	गग	मम	।	पप	मम	।	गग	रिरि	॥
॥	मम	सस	रिरि	गग	।	मम	गग	।	रिरि	सस	॥

५.

॥	सस	गग	रिरि	मम	।	सस	रिरि	।	गग	मम	॥
॥	रिरि	मम	गग	पप	।	रिरि	गग	।	मम	पप	॥
॥	गग	पप	मम	दद	।	गग	मम	।	पप	दद	॥
॥	मम	दद	पप	निनि	।	मम	पप	।	दद	निनि	॥
॥	पप	निनि	दद	*स*	।	पप	दद	।	निनि	*स*	॥
॥	*स*	दद	निनि	पप	।	*स*	निनि	।	दद	पप	॥
॥	निनि	पप	दद	मम	।	निनि	दद	।	पप	मम	॥
॥	दद	मम	पप	गग	।	दद	पप	।	मम	गग	॥
॥	पप	गग	मम	रिरि	।	पप	मम	।	गग	रिरि	॥
॥	मम	रिरि	गग	सस	।	मम	गग	।	रिरि	सस	॥

६.

॥	सस	रिस	सरि	सरि	।	सस	रिरि	।	गग	मम	॥
॥	रिरि	गरि	रिग	रिग	।	रिरि	गग	।	मम	पप	॥
॥	गग	मग	गम	गम	।	गग	मम	।	पप	दद	॥
॥	मम	पम	मप	मप	।	मम	पप	।	दद	निनि	॥
॥	पप	दप	पद	पद	।	पप	दद	।	निनि	*स*	॥
॥	*स*	नि*	*नि	*नि	।	*स*	निनि	।	दद	पप	॥
॥	निनि	दनि	निद	निद	।	निनि	दद	।	पप	मम	॥
॥	दद	पद	दप	दप	।	दद	पप	।	मम	गग	॥
॥	पप	मप	पम	पम	।	पप	मम	।	गग	रिरि	॥
॥	मम	गम	मग	मग	।	मम	गग	।	रिरि	सस	॥

७.

॥	सस	रिरि	गस	रिग	।	सस	रिरि	।	गग	मम	॥
॥	रिरि	गग	मरि	गम	।	रिरि	गग	।	मम	पप	॥
॥	गग	मम	पग	मप	।	गग	मम	।	पप	दद	॥
॥	मम	पप	दम	पद	।	मम	पप	।	दद	निनि	॥
॥	पप	दद	निप	दनि	।	पप	दद	।	निनि	*स*	॥
॥	*स*	निनि	द*	निद	।	*स*	निनि	।	दद	पप	॥
॥	निनि	दद	पनि	दप	।	निनि	दद	।	पप	मम	॥
॥	दद	पप	मद	पम	।	दद	पप	।	मम	गग	॥
॥	पप	मम	गप	मग	।	पप	मम	।	गग	रिरि	॥
॥	मम	गग	रिम	गरि	।	मम	गग	।	रिरि	सस	॥

७.

॥	ससस	रिरि	गम	।	सस	रिरि	।	गग	मम	॥
॥	रिरि	गग	मप	।	रिरि	गग	।	मम	पप	॥
॥	गग	मम	पद	।	गग	मम	।	पप	दद	॥
॥	मम	पप	दनि	।	मम	पप	।	दद	निनि	॥
॥	पप	दद	नि [*] स	।	पप	दद	।	निनि	[*] स [*]	॥
॥	[*] स [*] [*]	निनि	दप	।	[*] स [*]	निनि	।	दद	पप	॥
॥	निनि	दद	पम	।	निनि	दद	।	पप	मम	॥
॥	दद	पप	मग	।	दद	पप	।	मम	गग	॥
॥	पप	मम	गरि	।	पप	मम	।	गग	रिरि	॥
॥	मम	गग	रिस	।	मम	गग	।	रिरि	सस	॥

स्वर राग ताल शास्त्र

स्वराः

- षड्ज - प्रकृति
- रिषभ - शुद्ध (रि_१) चतुःश्रुति (रि_२) षड्श्रुति (रि_३)
- गान्धार - शुद्ध (ग_१) साधारण (ग_२) अन्तर (ग_३)
- मध्यम - शुद्ध (म_१) प्रति (म_२)
- पञ्चम - प्रकृति
- धैवत - शुद्ध (द_१) चतुःश्रुति (द_२) षड्श्रुति (द_३)
- निषाद - शुद्ध (नि_१) कैशिकी (नि_२) काकली (नि_३)

अलङ्कारः

१. चतुरश्र जाति ध्रुव ताल (१ ० । ।)

॥	स	रि	ग	म	।	ग	रि	।	स	रि	ग	रि	।	स	रि	ग	म	॥
॥	रि	ग	म	प	।	म	ग	।	रि	ग	म	ग	।	रि	ग	म	प	॥
॥	ग	म	प	द	।	प	म	।	ग	म	प	म	।	ग	म	प	द	॥
॥	म	प	द	नि	।	द	प	।	म	प	द	प	।	म	प	द	नि	॥
॥	प	द	नि	*स	।	नि	द	।	प	द	नि	द	।	प	द	नि	*स	॥
॥	*स	नि	द	प	।	द	नि	।	*स	नि	द	नि	।	*स	नि	द	प	॥
॥	नि	द	प	म	।	प	द	।	नि	द	प	द	।	नि	द	प	म	॥
॥	द	प	म	ग	।	म	प	।	द	प	म	प	।	द	प	म	ग	॥
॥	प	म	ग	रि	।	ग	म	।	प	म	ग	म	।	प	म	ग	रि	॥
॥	म	ग	रि	स	।	रि	ग	।	म	ग	रि	ग	।	म	ग	रि	स	॥

२. चतुरश्र जाति मध्य ताल (१ ० ।)

॥	स	रि	ग	रि	।	स	रि	।	स	रि	ग	म	॥
॥	रि	ग	म	ग	।	रि	ग	।	रि	ग	म	प	॥
॥	ग	म	प	म	।	ग	म	।	ग	म	प	द	॥
॥	म	प	द	प	।	म	प	।	म	प	द	नि	॥
॥	प	द	नि	द	।	प	द	।	प	द	नि	*स	॥
॥	*स	नि	द	नि	।	*स	नि	।	*स	नि	द	प	॥
॥	नि	द	प	द	।	नि	द	।	नि	द	प	म	॥
॥	द	प	म	प	।	द	प	।	द	प	म	ग	॥
॥	प	म	ग	म	।	प	म	।	प	म	ग	रि	॥
॥	म	ग	रि	ग	।	म	ग	।	म	ग	रि	स	॥

३. चतुरश्र जाति रूपक ताल (० ।)

॥	स	रि	।	स	रि	ग	म	॥
॥	रि	ग	।	रि	ग	म	प	॥
॥	ग	म	।	ग	म	प	द	॥
॥	म	प	।	म	प	द	नि	॥
॥	प	द	।	प	द	नि	*स	॥
॥	*स	नि	।	*स	नि	द	प	॥
॥	नि	द	।	नि	द	प	म	॥
॥	द	प	।	द	प	म	ग	॥
॥	प	म	।	प	म	ग	रि	॥
॥	म	ग	।	म	ग	रि	स	॥

४. मिश्र जाति झम्प ताल (। ७ ०)

॥	स	रि	ग	स	रि	स	रि	।	ग	।	म	,	॥
॥	रि	ग	म	रि	ग	रि	ग	।	म	।	प	,	॥
॥	ग	म	प	ग	म	ग	म	।	प	।	द	,	॥
॥	म	प	द	म	प	म	प	।	द	।	नि	,	॥
॥	प	द	नि	प	द	प	द	।	नि	।	*स	,	॥
॥	*स	नि	द	*स	नि	*स	नि	।	द	।	प	,	॥
॥	नि	द	प	नि	द	नि	द	।	प	।	म	,	॥
॥	द	प	म	द	प	द	प	।	म	।	ग	,	॥
॥	प	म	ग	प	म	प	म	।	ग	।	रि	,	॥
॥	म	ग	रि	म	ग	म	ग	।	रि	।	स	,	॥

५. तिश्च जाति त्रिपुट ताल (। ० ०)

॥	स	रि	ग	।	स	रि	।	ग	म	॥
॥	रि	ग	म	।	रि	ग	।	म	प	॥
॥	ग	म	प	।	ग	म	।	प	द	॥
॥	म	प	द	।	म	प	।	द	नि	॥
॥	प	द	नि	।	प	द	।	नि	*सं	॥
॥	*सं	नि	द	।	*सं	नि	।	द	प	॥
॥	नि	द	प	।	नि	द	।	प	म	॥
॥	द	प	म	।	द	प	।	म	ग	॥
॥	प	म	ग	।	प	म	।	ग	रि	॥
॥	म	ग	रि	।	म	ग	।	रि	स	॥

६. खण्ड जाति अष्ट ताल (। । ० ०)

॥	स	रि	,	ग	,	।	स	,	रि	ग	,	।	म	,	।	म	,	॥
॥	रि	ग	,	म	,	।	रि	,	ग	म	,	।	प	,	।	प	,	॥
॥	ग	म	,	प	,	।	ग	,	म	प	,	।	द	,	।	द	,	॥
॥	म	प	,	द	,	।	म	,	प	द	,	।	नि	,	।	नि	,	॥
॥	प	द	,	नि	,	।	प	,	द	नि	,	।	*सं	,	।	*सं	,	॥
॥	*सं	नि	,	द	,	।	*सं	,	नि	द	,	।	प	,	।	प	,	॥
॥	नि	द	,	प	,	।	नि	,	द	प	,	।	म	,	।	म	,	॥
॥	द	प	,	म	,	।	द	,	प	म	,	।	ग	,	।	ग	,	॥
॥	प	म	,	ग	,	।	प	,	म	ग	,	।	रि	,	।	रि	,	॥
॥	म	ग	,	रि	,	।	म	,	ग	रि	,	।	स	,	।	स	,	॥

५. चतुरश्र जाति एक ताल (।)

॥	स	रि	ग	म	॥	रि	ग	म	प	॥
॥	ग	म	प	द	॥	म	प	द	नि	॥
॥	प	द	नि	सं	॥	सं	नि	द	प	॥
॥	नि	द	प	म	॥	द	प	म	ग	॥
॥	प	म	ग	रि	॥	म	ग	रि	स	॥

पिळ्ळारि गीतानि

श्री गणनाथ

रागम् : मलहरि

आरोहणम् : स रि१ म१ प द१ स*

अवरोहणम् : स* द१ प म१ ग३ रि१ स

तालम् : रूपक

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

॥ पल्लवी ॥

॥ म प द स* स* रि१ ॥ रि१ स* द प म प ॥

श्री	ग	ण	ना	थ	सिन्	धू	र	व	र्ण
सिद्	ध	चा	र	ण	ग	ण	से	वि	त
स	क	ल	वि	द्या	आ	दि	पू	जि	त

॥ रि म प द म प ॥ द प म ग रि स ॥

क	रु	ण	सा	ग	रा	क	रि	व	द	ना
सिद्	धि	वि	ना	य	का	ते	न	मो	न	मो
सर्	वो	त्त	म	ते	न	मो	न	मो		

॥ स रि म , ग रि ॥ स रि ग रि स , ॥

लम्	बो	द	र	ल	कु	मि	क	र
-----	----	---	---	---	----	----	---	---

॥ रि म प द म प ॥ द प म ग रि स ॥

अम्	बा	सु	त	अ	म	र	वि	नु	त
-----	----	----	---	---	---	---	----	----	---

कुन्द गौर

रागम् : मलहरि

आरोहणम् : स रि_१ म_१ प द_१ स^{*}

अवरोहणम् : स^{*} द_१ प म_१ ग_३ रि_१ स

तालम् : रूपक

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

॥	द	प	म	ग	रि	स	॥	रि	म	प	द	म	प	॥
कुन्	द	गौ			र		गौ	रि	व	र				
चन्	द	मा			म		मन्	दा	कि	नि				
हि	म	कू			ट		सिम्	हा	स	न				
॥	द	रि [*]	रि [*]	स [*]	द	प	॥	द	प	म	ग	रि	स	॥
मन्	दि	रा			य		मा	न	म	कु	ट			
मन्	दि	रा			य		मा	न	म	कु	ट			
वि	रु	पा			क्ष		क	रु	णा	क	र			
॥	स	,	रि	,	रि	,	॥	द	प	म	ग	रि	स	॥
मन्		धा			रा		कु	सु	मा	क	र			
॥	स	रि	प	म	ग	रि	॥	स	रि	ग	रि	स	,	॥
म	क	रन्			दं		व	सि	तु	रे				

केरेय नीरनु

रागम् : मलहरि

आरोहणम् : स रि_१ म_१ प द_१ स^{*}

अवरोहणम् : स^{*} द_१ प म_१ ग_३ रि_१ स

तालम् : तिस्र त्रिपुट

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

॥	द	स [*]	स [*]	।	द	प	।	म	प	॥	द	द	प	।	म	म	।	प	,	॥
॥	के	रे	य	।	नी		।	र	नु	॥	के	रे	गे	।	चेल्		।	लि		॥
॥	श्री		पु	।	रन्		।	द	र	॥	वि	ठ्ठ	ल	।	रा		।	य	न	॥
॥	द	द	स [*]	।	द	प	।	म	प	॥	द	द	प	।	म	ग	।	रि	स	॥
॥	व	र	व	।	प	डे	।	द	व	॥	रन्		ते	।	का		।	णि	रो	॥
॥	च	र	ण	।	क	म	।	ल	व	॥	नम्		बि	।	ब	दु	।	कि	रो	॥
॥	स	रि	रि	।	स	रि	।	स	रि	॥	द	द	प	।	म	ग	।	रि	स	॥
॥	ह	रि	य	।	क	रु	।	ण	दो	॥	ला		द	।	भ		।	ग्य	व	॥
॥	द	प	द	।	स [*]	,	।	द	प	॥	द	द	प	।	म	ग	।	रि	स	॥
॥	ह	रि	स	।	मर्		।	प	णे	॥	मा		डि	।	ब	दु	।	कि	रो	॥

रागम् : मलहरि

आरोहणम् : स रि_१ म_१ प द_१ स^{*}

अवरोहणम् : स^{*} द_१ प म_१ ग_३ रि_१ स

तालम् : तिस्र त्रिपुट

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

॥ रि स द [*] । स , । स , ॥ म ग रि । म म । प , ॥	
॥ प दु म । ना । भ ॥ प र म । पु रु । ष ॥	
॥ वि दु र । वन् । घ ॥ वि म ल । च रि । त ॥	
॥ स द , । द प । म प ॥ द द प । म ग । रि स ॥	
॥ प रज् । ज्यो । ति ॥ स्व रु । प । ॥	
॥ वि हङ् । गा । व ॥ रो ह । ण । ॥	
॥ प म प । द स [*] । द स [*] ॥ रि स [*] द । द स [*] । द प ॥	
॥ उ द धि । नि वा । स ॥ उ र ग । श य । न ॥	
॥ द द प । प , । प म ॥ रि म म । प , । प , ॥	
॥ उ न्न । तो । न्न त ॥ म हि । मा । ॥	
॥ द द प । प , । प म ॥ रि रि म । म ग । रि स ॥	
॥ य दु कु । लो । त्त म ॥ य ज्ञ । र । क्ष क ॥	
॥ स , स । द द । द प ॥ प , प । म ग । रि स ॥	
॥ अा ज्ञ । शि । क्ष क ॥ रा म । ना । म ॥	
॥ द स [*] , । द प । म प ॥ द द प । म ग । रि स ॥	
॥ वि भी । ष ण । प ॥ ल क । न मो । न मो ॥	
॥ द स [*] , । द प । म प ॥ द द प । म ग । रि स ॥	
॥ वि भो । व र । दा ॥ य क । न मो । न मो ॥	
॥ प म प । द स [*] । द स [*] ॥ रि स [*] द । द स [*] । द प ॥	
॥ शु भ । प्र द । सु म ॥ नो र । द । सु ॥	
॥ द द प । प , । प म ॥ रि म म । प , । प , ॥	
॥ रे न्द्र । म । नो ॥ रज् ज । न । ॥	
॥ द द प । प , । प म ॥ रि रि म । म ग । रि स ॥	
॥ अ भि । न । व पु ॥ रन् द । र । ॥	
॥ स , स । द द । द प ॥ प , प । म ग । रि स ॥	
॥ वि ठ्ठ ल । भल् । ल रे ॥ रा म । ना । म ॥	

सञ्चारि गीतानि

वरवीणा

रागम् : मोहनम्

आरोहणम् : स रि_२ ग_३ प द_२ स^{*}

अवरोहणम् : स^{*} द_२ प ग_३ रि_२ स

तालम् : रूपकम्

रचयिता : श्री अप्पैय दीक्षितर्

॥ ग ग प , प , ॥ द प स [*] , स [*] , ॥
व र वी णा मृ दु पा णी
॥ रि [*] स [*] द द प , ॥ द प ग ग रि , ॥
व न रु ह लो च न रा णी
॥ ग प द स [*] द , ॥ द प ग ग रि , ॥
सु रु चि र बम् व र वे णी
॥ ग ग द प ग रि ॥ प ग ग रि स , ॥
सु र नु त कल् या णी
॥ ग ग ग ग रि ग ॥ प ग प , प , ॥
नि रु प म शु भ गु ण लो ला
॥ ग ग द प द , ॥ द प स [*] , स [*] , ॥
नि र त ज या प्र द शी ला
॥ द ग [*] रि [*] ग [*] रि [*] स [*] ॥ रि [*] स [*] द स [*] द प ॥
व र दा प्रि य र ङ्ग ना य की
॥ ग प द स [*] द प ॥ द प ग ग रि स ॥
वा च्चि त फ ल दा य की
॥ स रि ग , ग , ॥ ग रि प ग रि , ॥
स र सि जा स न ज न नी
॥ स रि स ग रि स ॥
ज य ज य ज य

जय जय जय

रागम् : बेगड

आरोहणम् : स ग_३ रि_२ ग_३ म_१ प द_२ प स^{*}

अवरोहणम् : स^{*} नि_३ द_२ प म_१ ग_३ रि_२ स

तालम् : तिस्र त्रिपुट

रचयिता : *

॥	म	ग	म	।	प	,	।	द	प	॥	नि _२	द	प	।	म	ग	।	म	प	॥
॥	ज	य	ज	।	य		।	ज	य	॥	वि	ज	य	।	वि	नु	।		ता	॥
॥	स [*]	नि	स [*]	।	द	प	।	स [*]	,	॥	स [*]	नि	स [*]	।	रि [*]	स [*]	।	म [*]	ग [*]	॥
॥	वि	म	ल	।	च	रि	।	ता		॥	वि	नु	त	।	हि	त	।	को		॥
॥	रि [*]	स [*]	नि	।	स [*]	रि [*]	।	स [*]	नि	॥	स [*]	नि	स [*]	।	द	नि	।	प	द	॥
॥	कि	ल		।	ली		।	ला		॥	अ			।			।			॥
॥	नि _२	द	प	।	म	ग	।	रि	स	॥	म	ग	म	।	रि	ग	।	म	प	॥
॥	अ			।			।			॥	म	धु	रे	।	मी		।	ना		॥
॥	स [*]	नि	स [*]	।	द	प	।	स [*]	,	॥										
॥				।			।	क्षी		॥										

रागम् : काम्भोजि

आरोहणम् : स रि_२ ग_३ म_१ प द_२ स^{*}

अवरोहणम् : स^{*} नि_२ द_२ प म_१ ग_३ रि_२ स नि_३ प^{*} द_२ स^{*}

तालम् : आदि

रचयिता : श्री पैदल गुरुमूर्ति शास्त्री

॥	स [*]	,	नि _३	प	।	द	द	।	स [*]	,	॥
॥	मन्		द	र	।	धा		।	रे		॥
॥	द	स [*]	रि [*]	म [*]	।	ग [*]	ग [*]	।	रि [*]	स [*]	॥
॥	मो		क्ष	मु	।	रा		।	रे		॥
॥	स [*]	रि [*]	स [*]	स [*]	।	नि	नि	।	द	प	॥
॥	दै		त्य	सं	।	हा		।	रे		॥
॥	द	द	प	म	।	ग	म	।	प	,	॥
॥	पा		व	न	।	मू		।	ते		॥
॥	ग	प	द	स [*]	।	नि	नि	।	द	प	॥
॥	अ	र	वि	न्द	।	न	य	।	न		॥
॥	द	द	प	म	।	ग	ग	।	रि	स	॥
॥	व	ट	प	त्र	।	श	य	।	न		॥
॥	ग	प	प	द	।	द	स [*]	।	स [*]	रि [*]	॥
॥	अ				।	अ		।			॥
॥	रि [*]	प [*]	म [*]	ग [*]	।	रि [*]	ग [*]	।	रि [*]	स [*]	॥
॥	अ				।	अ		।			॥
॥	स [*]	रि [*]	स [*]	स [*]	।	नि	नि	।	द	प	॥
॥	दै		त्य	सं	।	हा		।	रे		॥
॥	द	द	प	म	।	ग	म	।	प	,	॥
॥	पा		व	न	।	मू		।	ते		॥
॥	ग	प	द	स [*]	।	नि	नि	।	द	प	॥
॥	प	द	शु	भ	।	रे		।	ख		॥
॥	द	द	प	म	।	ग	ग	।	रि	स	॥
॥	म	कु	ट	म	।	यू		।	र		॥
॥	स [*]	,	नि _३	प	।	द	द	।	स [*]		॥
॥	मन्		द	र	।	धा		।	रे		॥

कमलजा दल

रागम् : कल्याणी

आरोहणम् : स रि_२ ग_३ म_२ प द_२ नि_३ स^{*}

अवरोहणम् : स^{*} नि_३ द_२ प म_२ ग_३ रि_२ स

तालम् : तिश्च त्रिपुट

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

॥	स [*]	स [*]	स [*]	।	नि	द	।	नि	स [*]	॥	नि	द	प	।	द	प	।	म	प	॥
॥	क	म	ल	।	जा		।	द	ल	॥	वि	म	ल	।	सु	न	।	य	न	॥
॥	ग	म	प	।	प	द	।	द	नि	॥	द	प	म	।	प	ग	।	रि	स	॥
॥	क	रि	व	।	र	द	।	क	रु	॥	णाम्		बु	।	धे		।			॥
॥	द [*]	नि [*]	द [*]	।	ग	रि	।	ग	,	॥	म	प	,	।	म	ग	।	रि	स	॥
॥	क	रु	ण	।	शा	र	।	दे		॥	क	म		।	ला		।			॥
॥	रि	स	रि	।	स	,	।	स	,	॥	ग	म	प	।	म	प	।	द	प	॥
॥	कान्			।	त		।			॥	कम्		स	।	न	र	।	का		॥
॥	नि	द	प	।	द	प	।	म	प	॥	ग	म	प	।	प	द	।	द	नि	॥
॥	सु	र	वि	।	भे		।	द	न	॥	व	र	द	।	वे		।	ला		॥
॥	द	प	म	।	प	ग	।	रि	स	॥	द [*]	नि [*]	द [*]	।	ग	रि	।	ग	,	॥
॥	पु	र	सु	।	रोत्		।	त	म	॥	क	रु	ण	।	शा	र	।	दे		॥
॥	म	प	,	।	म	ग	।	रि	स	॥	रि	स	रि	।	स	,	।	स	,	॥
॥	क	म		।	ला		।			॥	कान्			।	त		।			॥

कमल सुलोचन

रागम् : आनन्द भैरवी

तालम् : एक

आरोहणम् : स ग_२ रि_२ ग_२ म_१ प द_२ प^{*} स

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

अवरोहणम् : स^{*} नि_२ द_२ प म_१ ग_२ म_१ ग_२ रि_२ नि_२ स

॥ नि द नि स [*] ॥ स [*] , स [*] स [*] ॥ ग [*] रि [*] स [*] नि ॥ नि द प म ॥
॥ क म ल सु ॥ लो च न ॥ वि म ल त ॥ टा कि नी ॥
॥ प प , द ॥ नि द प म ॥ म प म प ॥ ग रि स , ॥
॥ म रा ल ॥ गा मि नी ॥ क रि ह र ॥ म ध्ये ॥
॥ स , नि , ॥ स ग ग म ॥ ग म प म ॥ ग , रि नि [*] ॥
॥ वि म् बा ॥ द रे या ॥ न न वि दु ॥ मण् ड ल ॥
॥ स , स , ॥
॥ रे रे ॥
॥ प , म ग ॥ म , ग रि ॥ ग , रि नि [*] ॥ स , स , ॥
॥ च न् द न ॥ कु ड् कु म ॥ प ड् क ज ॥ रे रे ॥
॥ प प म ग ॥ म म ग रि ॥ ग ग रि नि [*] ॥ स , स , ॥
॥ प रि म ल ॥ क स् तू रि ॥ ति ल क द ॥ रे रे ॥
॥ स ग रि ग ॥ म ग म , ॥ म नि द नि ॥ प द नि स [*] ॥
॥ जा जि ॥ शै या ॥ क च कु च ॥ घ न ज ग ॥
॥ ग [*] रि [*] स [*] नि ॥ नि द प म ॥ प प , द ॥ नि द प म ॥
॥ ना द म् ॥ वो रु ह ॥ म रा ल ॥ गा मि नी ॥
॥ म प म प ॥ ग रि स , ॥ स , नि , ॥ स ग ग म ॥
॥ क रि ह र ॥ म ध्ये ॥ वि म् बा ॥ द रे या ॥
॥ ग म प म ॥ ग , रि नि [*] ॥ स , स , ॥
॥ न न वि दु ॥ मण् ड ल ॥ रे रे ॥

स्वर जतयः

बिलहरि

रागम् : बिलहरि

आरोहणम् : स रि_२ ग_३ प द_२ प स^{*}

अवरोहणम् : स^{*} नि_३ द_२ प म_१ ग_३ रि_२ स

तालम् : आदि

रचयिता :

॥ पल्लवि ॥

॥ स , , रि ग , प , । द , स^{*} , । नि , द , ॥
॥ प , द प म ग रि स । रि स नि^{*} द^{*} । स , , , ॥

॥ अनुपल्लवि ॥

॥ स , , रि ग , प , । म , ग , । प , द , ॥
॥ रि^{*} , , स^{*} नि , , द । प , , म । ग , , रि ॥

॥ चरणानि ॥

१.

॥ ग प द रि^{*} स^{*} स^{*} स^{*} , । ग^{*} ग^{*} ग^{*} , । रि^{*} रि^{*} रि^{*} , ॥
॥ प प प , म ग ग , । रि स स , । रि स नि^{*} द^{*} ॥

२.

॥ स , , रि ग , ग , । ग , , , । ग , रि ग ॥
॥ प , , प प , प , । प , , , । प , द प ॥
॥ स^{*} , , स^{*} स^{*} , स^{*} , । ग^{*} रि^{*} स^{*} नि । नि द प , ॥
॥ प द प म ग ग रि , । ग प म ग । रि स रि ग ॥

३.

॥ प प प , रि रि रि , । ग प म ग । ग , , , ॥
॥ ग प म ग म ग रि स । रि स रि ग । स , , , ॥
॥ रि स नि^{*} द^{*} स , , , । म ग रि ग । प , , , ॥
॥ द प द रि^{*} स^{*} , , , । रि^{*} स^{*} नि द । प म ग रि ॥

४.

॥ प , , , म ग रि ग । द , , , । म ग रि ग ॥

॥ प , , प म ग रि ग । प , प , । प , , , ॥
 ॥ ग , , , रि स नि द । रि , , , रि स नि द ॥
 ॥ स , , , रि स नि द । स , स , , स , , , ॥
 ॥ ग , रि स रि , रि , रि , , रि , स नि ॥
 ॥ द , द , द , , , , । द , प म । ग , ग , ॥
 ॥ ग , , , स रि ग द । प , , , रि स रि ग ॥
 ॥ स , , , ग रि स नि । द प म ग । रि स रि ग ॥

५.

॥ द , , , प द प म । ग रि ग , । ग , , , ॥
 ॥ प द प म ग रि ग , । ग , , , प द प म ॥
 ॥ ग ग रि ग स , स स । स , स , , स , , , ॥
 ॥ स रि ग , रि ग प , । द प द , । म ग रि ग ॥
 ॥ द , प म ग रि स , । स , , , रि , स नि ॥
 ॥ द प द , द , , , ग , रि स । नि द रि , ॥
 ॥ रि , , , स , रि ग । स रि स नि । द , , , ॥
 ॥ प , द नि प द प म । ग , ग द । प म ग रि ॥

खमास्

रागम् : खमास्

आरोहणम् : स म१ ग३ म१ प द२ नि२ स*

अवरोहणम् : स* नि२ द२ प म१ ग३ रि२ स

तालम् : आदि

रचयिता :

स प म स

कृतयः

ओङ्कार रूपिणि

रागम् : लवङ्गी

आरोहणम् : स रि_१ म_१ द_१ स^{*}

अवरोहणम् : स^{*} द_१ म_१ रि_१ स

तालम् : आदि

रचयिता : श्री बालमुरलीकृष्णः

॥ पल्लवि ॥

॥	स,	”	”	स [*] ,	”	”	स,	”	।	”	स [*] ,	”	रि [*] ,	।	स [*] ,	”	म,	द,	॥
॥	ॐ			का			र		।		का		रि	।	णि		म	द	॥

रागसूचि

लवङ्गी

ओङ्कार रूपिणि, ३२

काम्भोजि

मन्दर धारे, २६

आनन्द भैरवी

कमल सुलोचन, २८

कल्याणी

कमलजा दल, २७

खमास्

खमास् स्वरजति, ३१

बिलहरि

बिलहरि स्वरजति, २९

बेगड

जय जय जय, २५

मलहरि

कुन्द गौर, २१

केरेय नीरत्न, २२

पटुमनाभ, २३

श्री गणनाथ, २०

मोहनम्

वरवीणा, २४

रचयिता सूचि

*

जय जय जय, २५

श्री अप्पैय दीक्षितर्

वरवीणा, २४

श्री पुरन्दर दास

कमल सुलोचन, २८

कमलजा दल, २७

कुन्द गौर, २१

केरेय नीरनु, २२

पदुमनाभ, २३

श्री गणनाथ, २०

श्री पैदल गुरुमूर्ति शास्त्री

मन्दर धारे, २६

श्री बालमुरलीकृष्णः

ओङ्कार रूपिणि, ३२